Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 20, Issue No. 2, April-2023, ISSN 2230-7540

प्रवासी भारतीय और राष्ट्रवाद

सुरेशचंद्र*

शोधार्थी, जनीति विज्ञान विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविध्यालय , उदयपुर (राजस्थान)

सार - *प्रवासी भारतीय और राष्ट्रवाद एक ऐसा भावात्मक शब्द है जो प्रवासी भारतीयों द्वारा अनेक राष्ट्रों में भारतीय संस्कृति और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का पोषण कर रहा है | वर्तमान में जब इंदौर में 8 - 10 जनवरी 2023 को प्रवासी भारतीयों का जो भव्य और भावनात्मक सम्मलेन हुआ वह अपनी शक्ति की छाप छोड़ गया है|*

प्रवासी भारतीय का अर्थ -: ऐसे लोग जो भारत के हैं और भारत छोड़कर विश्व के दूसरे देशों में जा बसे हैं उन्हे प्रवासी भारतीय कहते हैं| प्रवासी भारतीयविश्व के अनेक राष्ट्रों में निवास करते हैं देशों में रह रहे प्रवासियों की जनसंख्या 48 लगभग | अनुमानत | करोड़ है 2 : इनमें से लाख से 5 देशों में 11अधिक प्रवासी भारतीय वहां की औसत जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं और वहां की आर्थिक व राजनीतिक दशा व दिशा को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं[1]| इन दशों में उनकी आर्थिक, शैक्षणिक व व्यावसायिक दक्षता का आधार बहुत सशक्त है| प्रवासी भारतीय विभिन्न देशों में रहते हैं, अलग भाषा बोलते हैं परन्तु वहां के विभिन्न क्रियाकलापों में अपनी सक्रिय और महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रवासी भारतीयों को अपनी सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखने के कारण ही साझा पहचान मिली है और यही कारण है जो उन्हें भारत से गहरे जोड़ता है|

कुन्जी शब्द :- *महात्मा गाँधी का अफ्रीका में सत्याग्रह , प्रवासी भारतीय , सांस्कृतिक राष्ट्रवाद , भारतीय और सनातनी संस्कृति का पोषण और पल्लन , 'अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी स्टॉक -2019 , विश्व भर में भारतीय प्रवासियों की संख्या 1.75 करोड़ है , अनिवासी भारतीय , भारतीय मूल का व्यक्ति , ओवरसीज़ सिटीज़न ऑफ इंडिया , 'ब्रेन-ड्रेन' को 'ब्रेन-गेन' आदि - आदि /*

----------X----------

प्रस्तावना

जहां-जहां प्रवासी भारतीय बसे वहां उन्होंने आर्थिक तंत्र को मजबूती प्रदान की और बहुत कम समय में अपना स्थान बना लिया। वे मजदूर, व्यापारी, शिक्षक अनुसंधानकर्ता, खोजकर्ता, डाक्टर, वकील, इंजीनियर, प्रबंधक, प्रशासक आदि के रूप में दुनियाभर में स्वीकार किए गए | प्रवासियों की सफलता का श्रेय उनकी परंपरागत सोच, सांस्कृतिक मूल्यों और शैक्षणिक योग्यता को दिया जा सकता है | कई देशों में वहां के मूल निवासियों की अपेक्षा भारतवंशियों की प्रति व्यक्ति आय ज्यादा है | वैश्विक स्तर पर सूचना तकनीक के क्षेत्र में क्रांति में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिसके कारण भारत की विदेशों में छवि निखरी है | प्रवासी भारतीयों की सफलता के कारण भी आज भारत आर्थिक विश्व में आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है | डॉ एम.एल. सिंघवी की अध्यक्षता में गठित एक कमेटी ने प्रवासी भारतीयों पर 18 अगस्त 2000 को अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी | रिपोर्ट में प्रवासी भारतीयों पर बनाई गई उच्चस्तरीय कमेटी को पहला ऐतिहासिक कदम बताते हुए इस बात की आशा व्यक्त की गई है कि कमेटी द्वारा जो सुझाव दिए पर सरकार पहल करेगी |2

संयुक्त राष्ट्र के जनसंख्या विभाग की ओर से ज़ारी 'अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी स्टॉक -2019 (The International Migrant Stock-2019)' के प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि वर्ष 2019 में विश्व भर में भारतीय प्रवासियों की संख्या 1.75 करोड़ है | प्रवासियों की संख्या के मामले में भारत, मैक्सिको और चीन क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं | पिछले 10 वर्षों में भारतीय प्रवासियों की संख्या में लगभग 23% की वृद्धि हुई है | प्रवासियों की कुल संख्या वर्तमान जनसँख्या का 3.5% है | नौकरी, उद्योग, व्यापार और दूसरे अन्य कारणों से अपना देश छोड़कर दूसरे देशों में रहने वालों में प्रवासियों की संख्या के मामले में भारत, मैक्सिको और चीन क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। पिछले 10 वर्षों में भारतीय प्रवासियों की संख्या में लगभग 23% की वृद्धि हुई है |3

www.ignited.in

पृष्ठभूमि

9 जनवरी 1915 को ही महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से स्वदेश / भारत वापस आए थे | इसी स्मृति में देश के विकास में प्रवासी भारतीयों के योगदान के महत्त्व को मान्यता देने और देश से जुड़ने हेतु मंच प्रदान करने के लिये भारत सरकार प्रतिवर्ष 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन करती है | भारत सरकार ने प्रवासी भारतीय दिवस मनाने की शुरुआत वर्ष 2003 में लक्ष्मीमल सिंघवी समिति की सिफारिश पर की | वर्तमान केंद्र सरकार ने प्रवासी भारतीयों को जोड़ने के लिये महत्त्वपूर्ण कार्य किये हैं। सरकार का कोई भी प्रतिनिधि यदि किसी विदेश दौरे पर जाता है तो वह उस देश में रह रहे प्रवासी भारतीयों के बीच अवश्य जाते हैं। इससे प्रवासी भारतीयों के मन में अपनेपन की भावना जन्म लेती है और वे भारत की ओर आकर्षित होते हैं | भारतीय 'ब्रेन-ड्रेन' को 'ब्रेन-गेन' में बदलने के लिये भारत सरकार विदेश में बेहतर आर्थिक अवसरों की तलाश में जाने वाले कामगारों के लिये 'अधिकतम सुविधा' और 'न्यूनतम असुविधा' सुनिश्चित करना चाहती है |

भारतीय प्रवासी दिवस मनाने का ध्येय

प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन आयोजित करने का प्रमुख उद्देश्य प्रवासी भारतीय समुदाय की उपलब्धियों को मंच प्रदान कर उनको दुनिया के सामने लाना , प्रवासी भारतीयों की भारत के प्रति सोच, भावना की अभिव्यक्ति, देशवासियों के साथ सकारात्मक बातचीत के लिये एक मंच उपलब्ध कराना , विश्व के सभी देशों में अप्रवासी भारतीयों का नेटवर्क बनाना | युवा पीढ़ी को प्रवासियों से जोड़ना तथा विदेशों में रह रहे भारतीय श्रमजीवियों की कठिनाइयाँ जानना तथा उन्हें दूर करने के प्रयास करना |

प्रवासी भारतीयों का वर्गीकरण

अनिवासी भारतीय - अनिवासी भारतीय' (Non-Resident Indian-NRI) का अर्थ ऐसे अधिनियम, 1955 की धारा 7(A) के दायरे में 'विदेशी भारतीय नागरिक' कार्डधारक हैं | आयकर अधिनियम के अनुसार, कोई भी भारतीय नागरिक जो "भारत के निवासी" के रूप में मानदंडों को पूरा नहीं करता है, वह भारत का निवासी नहीं है और उसे आयकर देने के लिये अनिवासी भारतीय माना जाता है |4

भारतीय मूल का व्यक्ति - भारतीय मूल के व्यक्ति (Person of Indian Origin-PIO) का मतलब एक विदेशी नागरिक (पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, चीन, भूटान, श्रीलंका और नेपाल को छोड़कर से है |5 कसी भी समय भारतीय पासपोर्ट धारक हो अथवा वह अथवा उसके माता - पिता / पितामह दोनों ही भारत में जन्मे हों अथवा भारत शासन अधिनियम 1935 के प्रभावी होने से पूर्व भारत के स्थायी नागरिक हों अथवा इस अवधि के बाद किसी क्षेत्र के भारत का अभिन्न अंग बनने से पहले वहां के निवासी हों |

ओवरसीज़ सिटीज़न ऑफ इंडिया - प्रवासी भारतीयों की मांग को ध्यान में रखते हुए एक छद्म नागरिकता योजना बनाई गई, जिसे ' विदेशी भारतीय नागरिकता' आमतौर पर ओसीआई कार्डधारक के रूप में जाना जाता है | प्रवासी भारतीयों को अनिवासी भारतीयों के समान सभी अधिकार (कृषि एवं बागान अधिग्रहण का अधिकार) दिए गए हैं |6

प्रवासी भारतीयों की वैश्विक स्थिति और प्रासंगिकता

खाड़ी देशों में लगभग 8.5 मिलियन भारतीय रहते हैं, जो दुनिया में प्रवासियों का सबसे बड़ा संकेंद्रण है | अरब प्रायद्वीप की भौगोलिक और ऐतिहासिक निकटता इसे भारतीयों के लिये एक सुविधाजनक स्थान बनाती है | संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग 4 मिलियन भारतीय रहते हैं | यहाँ मैक्सिको के बाद भारतीयों का दूसरा सबसे अधिक संकेंद्रण है | संयुक्त राज्य अमेरिका में वर्ष 2020 के अंत में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में प्रवासी भारतीयों की एक बड़ी भूमिका रही | इसके अतिरिक्त कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, मलेशिया, मारीशस , श्रीलंका, सिंगापुर, नेपाल सहित अन्य देशों में प्रवासी भारतीयों की बड़ी जनसँख्या रहती है |7

प्रवासी भारतीयों का महत्व और प्रभाव

दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गाँधी का आन्दोलन सदैव प्रेरणा पुंज है | प्रवासी भारतीयों ने प्रमुख देशों में राजनीतिक अभिजात्य वर्ग के मध्य भारतीय स्वतन्त्रता में जो साधक और वाहक की भूमिका निभाई वह महत्वपूर्ण है | इन सभी लोगों ने विदेशों में भारतीय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और संस्कृति का पोषण और पालन किया है और उसका भावात्मक रूप से प्रचार करके उसका संवर्धन भी किया है | सिख समुदाय की भूमिका अतुलनीय है | कनाड़ा और यूके इसके पर्याय हैं | धन का हस्तांतरण , वितीय प्रवाह और विकासशील देशों की वितीय सहायता बड़े उदाहरण हैं | विश्व बैंक का एक तथ्य यह बताता है कि 2018 में धन का सर्वाधिक प्रेषण और प्राप्तकर्ता के

रूप में प्रवासी भारतीयों का स्थान प्रथम है |8 निवेश की सुविधा , औधोगिक विकास में वृद्धि, अन्तराष्ट्रीय व्यापार तथा पर्यटन को बढ़ावा आदि क्षेत्रों में प्रवासी भारतीय परिवर्तन के वाहक बने हैं | तकनीकी विकास और उद्यमिता में वृद्धि और सामाजिक और आर्थिक विकास में भी अपनी छाप छोड़ी है | सभी बड़ी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों पर भारतीय मूल ले लोगों का कब्ज़ा भी है और नेतृत्व भी | वैश्विक कद में भारत की वृद्धि हुई है | वर्तमान में प्रवासी कूटनीति प्रासंगिक है |9

निष्कर्ष

जैसा राजा वैसी प्रजा और जैसा राजा वैसा ही विदेश और प्रवासी | प्रवासी भारतीयों की जब हम बात कर रहे हैं उसमें एक शब्द बहुत महत्व रखता है उसका नाम है सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और भारतीय संस्कृति | 2014 के बाद भारत की विदेश नीति में यथार्थवादी पुट आया है जो कि प्रवासी भारतीयों से अधिक जुड़ा हुआ है | प्रवासी भारतीयों का वैश्विक राजनीति में कितन विश्वास है यह कहानी इन्दौर में आयोजित 8 -10 जनवरी 2023 को प्रवासी भारतीयों का जो भव्य और भावनात्मक सम्मलेन हुआ वह अपनी शक्ति की छाप छोड़ गया है और एक नवीन कहानी कह गया है |10 विश्व बैंक का एक तथ्य यह बताता है कि 2018 में धन का सर्वाधिक प्रेषण और प्राप्तकर्ता के रूप में प्रवासी भारतीयों का स्थान प्रथम है |11 भारत सोने की चिड़िया था और अब वह सोने का बाज़ गया है यह कहना कोई अतिशियोक्ति नहीं है | लगभग 48 देशों में रह रहे प्रवासियों की जनसंख्या अनुमानत: 2 करोड़ है यह अपने आप में एक शक्ति का पर्याय है |12 विशेष रूप से यह तथ्य कि वर्तमान में जो देश भारत के धुर विरोधी रहे हैं उनमें भी भारतीय संस्कृति और प्रवासी भारतीयों के पति अपनापन और विश्वास स्थापित हुआ है | प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि “पिछले 8 वर्षों में, भारत ने अपने प्रवासी भारतीयों को मजबूत करने की कोशिश की है। यह आज भारत की प्रतिबद्धता है कि आप जहां भी हैं देश आपके हितों और अपेक्षाओं के लिए है।” पारंपरिक समझ और आधुनिक दृष्टिकोण के साथ, ये युवा प्रवासी दुनिया को भारत के बारे में अधिक प्रभावी ढंग से बताने में सक्षम होंगे। युवाओं में भारत के प्रति बढ़ती जिज्ञासा से पर्यटन, अनुसंधान और भारत का गौरव बढ़ेगा।” प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे युवा त्योहारों के दौरान भारत आ सकते हैं या आजादी के अमृत महोत्सव से जुड़े कार्यक्रमों से जुड़ सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत के पास न केवल ज्ञान केंद्र बल्कि दुनिया की ‘स्किल कैपिटल’ बनने का अवसर है | कहा कि आज भारत के पास सक्षम युवाओं की एक बड़ी तादाद है और हमारे युवाओं के पास स्किल भी है, वैल्यूज भी हैं, और काम करने के लिए जरूरी जज्बा और ईमानदारी भी है, भारत की यह स्किल कैपिटल दुनिया के विकास का इंजन बन सकती है | प्रधानमंत्री ने कहा, "वैश्विक मंच पर आज भारत की आवाज, भारत का संदेश, भारत की कही बात एक अलग ही मायने रखती है।"13 अत: कहा जा सकता है कि प्रवासी भारतीय न केवल भारत में ही वरन विदेशों में भी एक विश्वास, शक्ति और उर्जा का केन्द्र बने हुए हैं | यह भारतीय समाज के लिए एक नवीन शक्ति और विश्वास का नाम है |

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

https://hi. wikipedia.org >प्रवासी भारतीय

https://hi. wikipedia.org >प्रवासी भारतीय

https://hi. wikipedia.org >प्रवासी भारतीय

https://hi. wikipedia.org >प्रवासी भारतीय

https://hi. wikipedia.org >प्रवासी भारतीय

https://hi. wikipedia.org >प्रवासी भारतीय

https://hi. wikipedia.org >प्रवासी भारतीय

https://hi. wikipedia.org >प्रवासी भारतीय

https://hi. wikipedia.org >प्रवासी भारतीय

https://hi. wikipedia.org >प्रवासी भारतीय

https://hi. wikipedia.org >प्रवासी भारतीय

https://hi. wikipedia.org >प्रवासी भारतीय

https://hi. wikipedia.org >प्रवासी भारतीय

Corresponding Author

सुरेशचंद्र*

शोधार्थी, जनीति विज्ञान विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविध्यालय, उदयपुर (राजस्थान)

www.ignited.in